Roll No. ..... Total Pages : 3

MDQ/D-21 **10848**

हिन्दी

(काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन)

Paper–VIII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) काव्य की परिभाषा देते हुए काव्य प्रयोजन पर विस्तार से लिखिए।

(ख) रीति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इस सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं का परिचय दीजिए।

(ग) रस सिद्धांत की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख स्थापनाओं का वर्णन करें।

(घ) अलंकार सिद्धांत की अवधारणा व स्थापनाएं बताते हुए उसकी उपलब्धियों व सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) रीतिकालीन हिंदी काव्यशास्त्र की देन का विवेचन कीजिए।

(च) मनोविश्लेषणवादी समीक्षा पद्धति का विवेचन कीजिए।

(3×14=42)

खण्ड-ख

2. किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी कीजिए। प्रत्येक टिप्पणी लगभग 250 शब्दों में हो :

(क) काव्य हेतु।

(ख) काव्य प्रकार।

(ग) सहृदय की अवधारणा।

(घ) औचित्य सिद्धांत की स्थापनाएं।

(ङ) रीति सिद्धांत का परिचय।

(च) अलंकार सिद्धांत।

(छ) अलंकारों का वर्गीकरण।

(ज) ऐतिहासिक समीक्षा पद्धति।

(झ) चिंतामणि का काव्यशास्त्र को अवदान।

(ञ) मतिराम का काव्यशास्त्र को योगदान। (5×4=20)

खण्ड-ग

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) आचार्य दण्डी और वामन किस सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य हैं?

(ख) काव्यालंकारसारसंग्रह रचना किसकी है?

(ग) रस सूत्र के किस व्याख्याता का मत अनुमितिवाद या अनुकृतिवाद कहा जाता है?

(घ) ध्वन्यालोक की टीका 'लोचन' और नाट्यशास्त्र की टीका 'अभिनवभारती' किसने लिखी?

(ङ) भरतमुनि ने कितने स्थायी भाव माने हैं।

(च) वाक्य रसात्मक काव्यम् कथन किसका है।

(छ) साहित्यदर्पण रचना किसकी है?

(ज) किस आचार्य ने रीति को काव्य की आत्मा माना है।

(8×1=8)

खण्ड-घ

4. निम्न काव्यांश की समीक्षा कीजिए :

कवियों ने उसकी बहादुरी के गीत गाए,
लेखकों ने लेख लिखे,
ऐतिहासिकों ने इतिहास के पन्ने भरे,
नाट्य-कलाकारों ने कितने नाटक रचे,
रंगमंच पर खेले।
जनता पर जादू चला राजे के समाज का
लोक-नारियों के लिए रानियाँ आदर्श हुईं।
धर्म का बढ़ावा रहा धोखे से भरा हुआ।
लोहा बजा धर्म पर, सभ्यता के नाम पर।
खून की नदी बही।
आँख-कान मूंदकर जनता ने डुबकियाँ लीं।
आँख खुली-राजे ने अपनी रखवाली की। 10